



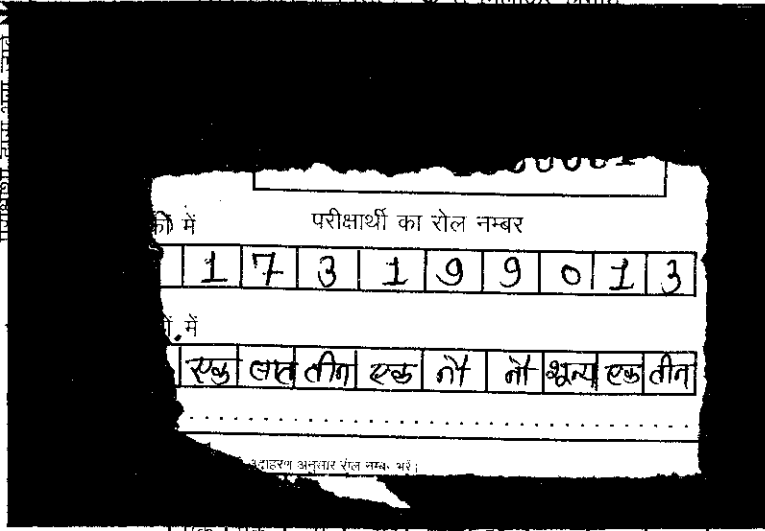
माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय **विज्ञान** विषय कोड **200** परीक्षा का माध्यम **हिन्दी**

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर तय करें



परीक्षार्थी का रोल नम्बर

173199013

परीक्षार्थी का नाम

रघु लक्ष्मी लक्ष्मी ने ने श्रव्य लक्ष्मी

एक एक दो चार तान ना पांच छ आठ

प्रश्न क्रमांक	केवल परीक्षक द्वारा भ्रम	जावे।
1		5
2		5
3		2
4		3
5		1
6		
7		5
8		2
9		
10		
11		
12		2
13		2
14		1
15		5
16		5
17		5
18		5
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
कुल प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में	

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में शब्दों में

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक **9**

ग :- परीक्षा का दिनांक **10 03 2019**

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

आई स्कूल परीक्षा

C.N. 311002

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर: केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

डी०बी० विपाठी

[Signature] *[Signature]*

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होले क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा: परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

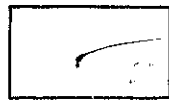
[Signature] *[Signature]*

ANITA WADHWANI

14/2 20048

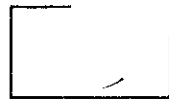
परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓ केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓ परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

2



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 2 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क.

1. रिक्त स्थान भरिए :

(i) पृथ्वी के क्रीड की त्रिज्या 3400 कि.मी. है।

(ii) हरी, बैंगनी एवं आँवला रंगों का मिश्रण विरफला कहलाता है।

(iii) बृहस्पति सौर मण्डल का सबसे बड़ा ग्रह है।

(iv) आर्यभट्टीय ग्रन्थ के रचयिता आर्यभट्ट हैं।

2. 1 अश्व शक्ति = 746 वाट।

3. सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) — उत्तर → (b) ✓

(ii) — उत्तर → (b) ✓

(iii) — उत्तर → (b) ✓

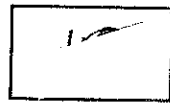
(iv) — उत्तर → (a) ✓

(v) — उत्तर → (a) ✓

4. सही जोड़ी मिलाइये -

(i) रक्त समूह "0" — सर्वदाता

3



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 3 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

(ii) ज्वालामुखी — पर्वतों में पानी का परिवहन

(iii) पृथ्वी — सुरिया का निर्माण

(iv) अम्लो का राजा — सल्फ्यूरिक अम्ल (H₂SO₄)

(v) पारा — तिनेबार (संयुक्त)

4. एक वाक्य में उत्तर दीजिए !

B (i) — उत्तर → तैल्य जोड़ा

S (ii) — उत्तर → विटामिन (C)

E (iii) — उत्तर → चार

(iv) — उत्तर → खनिज

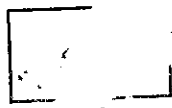
(v) — उत्तर → बहुलक

5. — उत्तर → परावर्तन के नियम निम्नलिखित हैं।

(i) आपतित, अपवर्तित किरण, आपतन बिन्दु पर अभिलम्ब तीनों एक ही सरल रेखा में होते हैं।

(ii) आपतित आपतन कोण लम्ब परावर्तन कोण के बराबर होते हैं।

4



यो पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 4 के अंक

=



प्रश्न क्र.

6. — उत्तर \rightarrow विद्युत धारा के रासायनिक प्रभाव द्वारा किसी दूसरी ~~सब~~ किसी एक धातु की सतह पर किसी दूसरी उत्कृष्ट धातु की परत चढ़ाना विद्युत लेपन कहलाता है।

7. — उत्तर \rightarrow भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) नाम से जाना जाता है।

8. — उत्तर \rightarrow स्लकीडल के समुख दो उपयोग निम्नलिखित हैं।

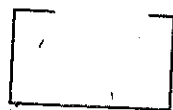
(i) विभिन्न प्रकार की बनावट बनाने में।

(ii) ईंधन पावर स्लकीडल के रूप में।

(iii) पेट चारनिस गोंद आदि बनाने के लिए।

9. — उत्तर \rightarrow प्रकृति के अयस्क जैसे हेमटाइट का सान्द्रण चुम्बकीय प्रथमकरण द्वारा किया जाता है। जिलमे वो रोलरो में चलाया जाता है। चुम्बकीय धातु का अयस्क धातु के पास गिरता है। अशुद्धियां धातु के दूर गिरती हैं।

5



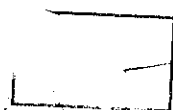
योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 5 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

10. — उत्तर \rightarrow धातु \rightarrow परिष्कृत की छोड़कर सभी पाई जाती है।
धातु को अवस्था में

(i) धातु में आधात वर्धनीय एवं तन होती है।

(ii) धातु में विद्युत की कुचालक होती है।

(iii) इनमें धात्विक चमक होती है।

अधातु \rightarrow (i) ये लौह + ध्रुव गैस तीन अवस्था में पाई जाती है।

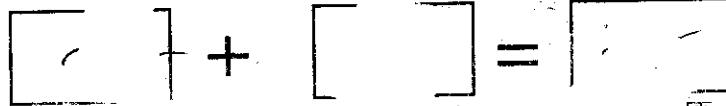
(ii) अधातु में भंगुर होती है।

(iii) अधातु में धात्विक चमक नहीं होती है।

(iv) अधातु में विद्युत की कुचालक होती है।

11. — उत्तर \rightarrow ग्लोबल वार्मिंग गैसों के कारण पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होना ग्लोबल वार्मिंग कहलाता है।

कारण \rightarrow इसका लगातार कटना (i) जीवाश्म ईंधन का अपूर्ण दहन होना (ii) शीशी जनिरेटर से उत्पन्न सरोसाल की परतबन्ध (iii) रासायनिक खाद एवं मोटर वाहनों से नाइट्रोजन ऑक्साइड गैस उत्पन्न होना।



प्रश्न क्र.

12. — उत्तर →

(i) तुलसी → खांसी, बुखाम, बुखार, ज़ड़ी
में दर्द, लकवा आदि बीमारियों में
इनका महत्व है।

(ii) नीम → नीम का उपयोग - चर्म रोग,
कीटाणुनाशक, इनकी लकड़ियों का
उपयोग दालून के रूप में, मलेरिया
हार, बुखार आदि रोगों के
निवारण के रूप में उपयोग किया जाता
है।

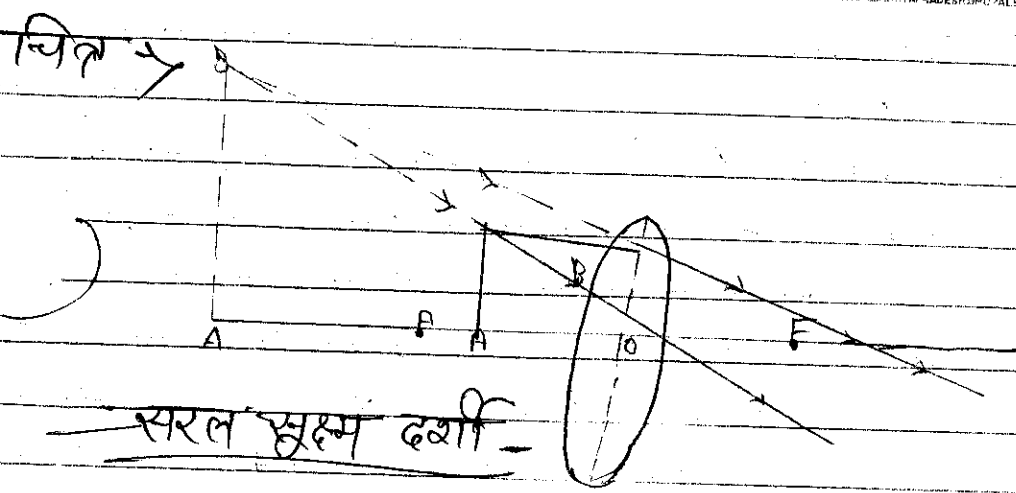
(iii) बेलड़ा → इस पौधे के सुखे फल
औषधीय गुणों से युक्त होते
हैं ये सुखे फल पेट के रोगों में
लाभकारी होते हैं। इसका तेल शाहिया
नामक बीमारी में उपयोग होता है।

13. — उत्तर → सुरल सूक्ष्मदर्शी साधारण
उत्तल लेंस होता है घड़ी लाल
इसकी लहायता से घड़ी के सूक्ष्म पुंजों को
देखकर घड़ी की मरम्मत करते हैं तथा
विद्यार्थी इसका उपयोग उपयोग
शाला में करते हैं।

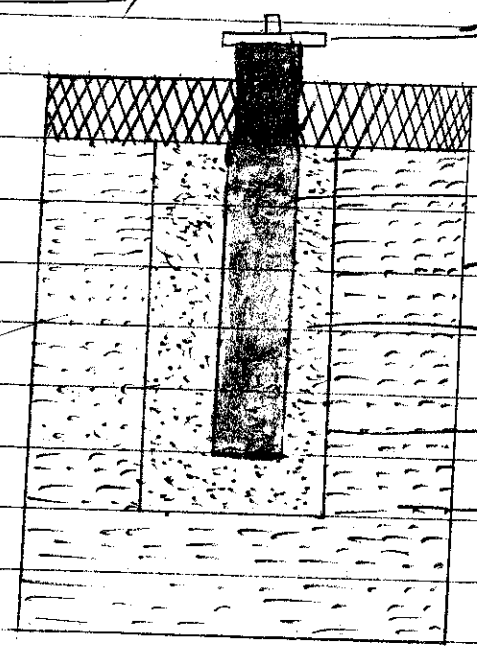
7

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

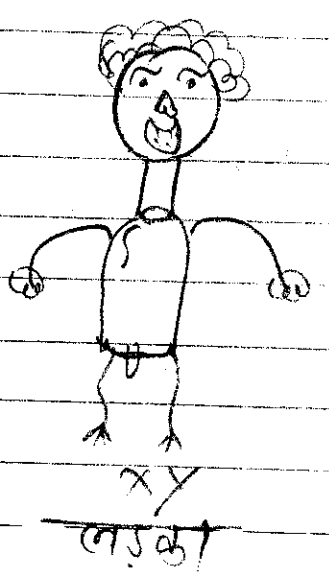
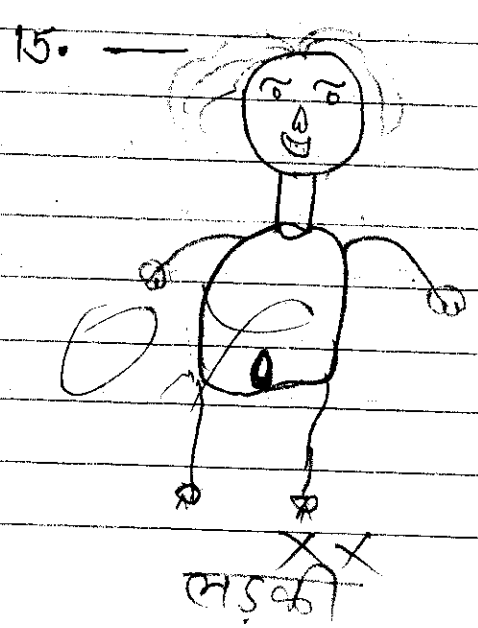
योग पूर्व पृष्ठ 7 के अंक अंक



19. — उत्तर — पीतल की बोटी



— कार्बन की धूल
— जले का पात्र
— MnO_2 व कोयला
— मलमल की रेशमी
— NH_4Cl व लडकी का घुसला



8

□ + □ = □

□ = □

□

पृष्ठ

पृष्ठ 8 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

16. लिंग-निर्धारण की त्रिविध प्रणालियों में से एक कोशिका लेबल जोड़ी युग्म प्राप्त होते हैं इस लेबल युग्म में से मादा एवं नर का बंटवारा जो युग्म प्राप्त समान होते हैं तथा मादा का लेबल एवं नर का लेबल का बंटवारा जो युग्म प्राप्त समान एवं मनुष्य का लेबल समान होता है अर्थात् नर में आधे में X तथा आधे में Y युग्म प्राप्त पाया जाता है। मादा के द्वारा तथा मनुष्य के X के द्वारा त्रिविध किया जाता है। मनुष्य में दो प्रकार के युग्म प्राप्त होते हैं एक लम्बा का X कहलाता है तथा छोटा Y कहलाता है।

B
S
E

17. — उत्तर — उच्च कार्बोसिलिक सोडियम पोटेशियम के लवण साबुन कहलाते हैं।

अपमार्जक कठोर जल में धारा उत्पन्न करते हैं परन्तु साबुन कठोर जल की उपस्थिति में लिथियम, अमोनिया के लवणों में लिया, कठोर परन्तु पानी में धारा उत्पन्न नहीं करती। अपमार्जक कपड़े अच्छे साफ करते हैं। चिकनाई के कारण हटते हैं इसलिए यह साबुन से उत्तम होता है।

18. — उत्तर — अम्ल से अम्ल लाल लिथमस प्राप्त की नीला कट देते हैं।

- (2) अम्ल धारी से बहालीन होकर लवण एवं जल बनाते हैं।
- (3) अम्ल जल में घुलकर है प्रालीन आयन देते हैं।

9

\square

+

\square

=

\square

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 9 के अंक

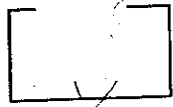
कुल अंक



- प्रश्न क्र.
- (क) अम्ल कार्बोनेटों से लिया उरके कार्बन डाई ऑक्साइड देते हैं।
 द्वार \rightarrow (1) ये नीले लिटमस पत्र को लाल कर देते हैं।
 - (ख) द्वार अम्लों से उदासीन होकर लवण एवं जल बनाते हैं।
 - (ग) कार्बोनेटों से लिया उरके कार्बन डाई ऑक्साइड नहीं देते हैं।
 - (घ) द्वार जल में घुलकर हाइड्रॉक्सील के भायन देते हैं।
 - (ङ) ये लवणरुप होते हैं।
 - (च) ये कसेले भौंडू कड़े होते हैं।

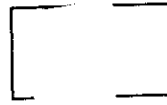
19. — उत्तर \rightarrow प्रकाश संश्लेषण (1) प्रकाश संश्लेषण की प्रिया हर लक पाधे में क्लोरोफिल की उपस्थिति में होती है।
- (2) ये प्रकाश की उपस्थिति में होती हैं।
 - (3) ये लक उपचय अपहिया हैं।
 - (4) इसमें पौधों का शुष्क भाग बढ़ता है।
 - (5) ये कार्बन डाई ऑक्साइड गैस ग्रहण करते हैं और ऑक्सीजन गैस छोड़ते हैं।

10



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 10 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

19 ये लक्ष्मण संश्लेषण की क्रिया पत्तियों में होती है।

उत्तर :- ये क्रिया पौधों और जन्तुओं दोनों में होती है।

(2) ये क्रिया लक्ष्मण और अंधकार दोनों में होती है।

(3) यह एक अपचय क्रिया है।

(4) इसमें पौधों का शुष्क भाग घटता है।

(5) इस क्रिया में ऑक्सीजन गैस बहिष्कृत होती है और कार्बन डाई ऑक्साइड छोड़ते हैं।

(6) ये क्रिया कोशिक के जीव द्रव्य एवं मैट्रो कालिया दोनों में सम्पन्न होती है।

20. — उत्तर :- लसीका (1) यह एक पीले रंग का द्रव उत्सुक है।

(2) इसमें प्रोटीन की मात्रा कम होती है।

(3) इसमें हृत्ताल रक्त कणिकाओं का पूर्ण अभाव होता है।

(4) यह रक्त को तथा शोष पदार्थों सम्बन्धन करती है।

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

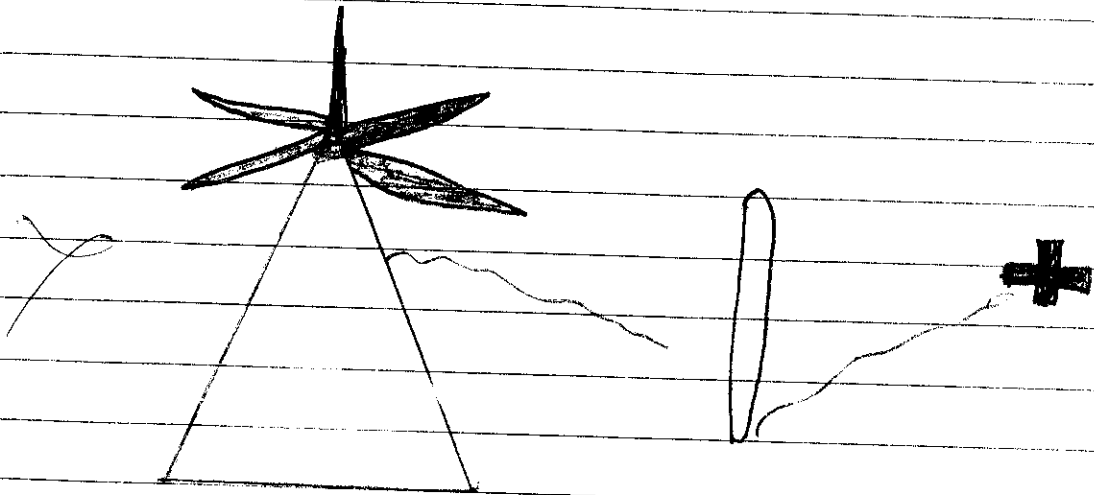
योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 11 के अंक कुल अंक



क्र.

- रक्त →
- ① यह लाल रंग का द्रव उत्क है।
 - ② इसमें सोडीन की मात्रा अधिक पाई जाती है।
 - ③ इसमें लाल रक्त कणिकाएं अधिक पाई जाती हैं।
 - ④ यह ऑक्सीजन गैस तथा कार्बोडिऑक्साइड आसानी से गैस का परिवहन करती है।

15. — उत्तर →



कार्यकारी सिद्धान्त का वर्णन → जब पवन चक्की के ब्लेडों से वायु टकराती है तो उन ब्लेडों पर एक बल लगता है जिसमें ब्लेड घूमने लगते हैं ब्लेडों के घूमने के साथ ही पवन चक्की भी घूमने लगती है। पवन चक्की का घूर्णन इनके ब्लेडों की विशिष्ट बनावट के कारण सम्पन्न होता है जिस प्रकार

12

45716

+

45716

=

Label 7

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 12 क

कुल अंक



प्रश्न क्र.

ब्लेडो को पेशो के समान वायु उकराती है। तो वायु गति शील होती है। उसी प्रकार बूझ वायु के उकराने से ब्लेड तेजी से घुमने लगता है और पानी बाहर ~~आता~~ आने लगता है।

12 12 12